

क्लाइमेट चेंज से निपटने में लीडर बन रहा है मध्यप्रदेश : सीएम यादव

म.प्र. और इन्वेस्टर्स मिलकर देश को बढ़ाएंगे आगे

24 घंटे बिजली देने में मध्यप्रदेश सबसे आगे

मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा विकास के लिए सिकोया क्लाइमेट फाउंडेशन के साथ हुआ एमओयू

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुंबई क्लाइमेट वीक-2026 में की सहभागिता

चेंज एक गंभीर वैश्विक चुनौती है। क्लाइमेट चेंज मानव अस्तित्व, आर्थिक स्थिरता और भावी पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने कहा कि सतत् विकास की राह में हम पर्यावरण की अनदेखी नहीं कर सकते। विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना ही प्रगति का मूल आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जोर देकर कहा कि क्लाइमेट चेंज के मामले में ठोस और समयबद्ध समाधान पर काम करना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की क्लाइमेट चेंज को लेकर प्रतिबद्धताओं में भी राज्यों का योगदान भी महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश क्लाइमेट चेंज से निपटने में सर्वाधिक



नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादक बन लीडर की भूमिका में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज गति से विकास करने वाले

राज्यों में अग्रणी है। यहां लगभग हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। मुख्यमंत्री ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मग्न में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों को हरसंभव सहयोग देने का विश्वास और सुरक्षा की गारंटी देते हुए कहा कि राज्य और निवेशक मिलकर देश को नवकरणीय ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि 24 घंटे बिजली देने की दिशा में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के साथ हमारा रिश्ता नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार-व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

शाम मुंबई में क्लाइमेट वीक-2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग (मग्न शासन) एवं ग्रीन एनर्जी के लिए विख्यात सिकोया क्लाइमेट फाउंडेशन के बीच मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में एमओयू हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान केवल एक देश, एक राज्य या एक सरकार ही नहीं कर सकती, इसके लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन, हरित विकास और

जलवायु समाधान के लिए आगे बढ़ने की दिशा में मुंबई क्लाइमेट वीक एक महत्वपूर्ण मंच है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए त्वरित और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, हरित तकनीकों को अपनाना और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करना ही भविष्य का विकास मार्ग है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित और संतुलित बनाए रखने की जिम्मेदारी सरकारों के साथ ही उद्योगों, संस्थाओं और इस देश में रहने वाले हर नागरिक की भी है। उन्होंने पर्यावरण ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज **बेबाक**

ग जब बेइज्जती है। फर्जीवाड़ा करने वाली ग्लगोटिया यूनिवर्सिटी जैसे विश्वविद्यालयों के भरोसे हम विश्व गुरु तो क्या खाक बनेंगे हां गुरु घंटाल बनकर जग हंसाई का पात्र जरूर बन जाएंगे। ग्लगोटिया यूनिवर्सिटी के कर्णधार नकल में भी अकल नहीं लगा पाए। चायनीज रोबो डाग को ज्यों की त्यों धर दीनी चदरिया की तर्ज पर एआई समिट में अपनी ईजाद बताकर पेश कर दिया। नतीजतन पूरी दुनिया में भारत की भद पिट गई। सरकार ने उस यूनिवर्सिटी को एआई समिट से खदेड़ कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली। कायदे से तत्काल प्रभाव से उसकी मान्यता रद्द की जानी चाहिए थी।

कांग्रेस का दावा- राहुल को गोली मारने की धमकी मिली

नई दिल्ली। करणी सेना के एक कार्यकर्ता ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी दी है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने गुरुवार को यह दावा किया। उन्होंने धमकी वाला वीडियो भी सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया है। पवन खेड़ा ने लिखा कि पूरा आरएसएस-भाजपा तंत्र एक 'गोडसे फेवटी' है। तथाकथित करणी सेना द्वारा राहुल गांधी और '25 सांसदों' के खिलाफ दी गई धमकी कोई अलग-थलग पड़ी घटना नहीं है।

वाराणसी में गंगा पर चलती नावों में सेल्फी पर सख्ती

वाराणसी (वार्ता)। काशी में गंगा नदी पर संचालित नावों और बोटों पर खड़े होकर सेल्फी लेने तथा रील बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति को देखते हुए जल पुलिस ने नाविकों के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन का कहना है कि चलती नाव पर खड़े होकर फोटो या वीडियो बनाने से हादसों का खतरा बढ़ जाता है।

अंबानी ने कहा-डेटा की तरह सस्ता होगा एआई, 10 लाख करोड़ का निवेश करेंगे

पीएम बोले- डीपफेक रोकने के लिए एआई कंटेंट पर लेबल लगे

नई दिल्ली/वार्ता। भारत मंडपम में चल रहे 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फॉर्मूला दिया। पीएम ने कहा कि जैसे खाने के पैकेट पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी 'ऑथेंटिसिटी लेबल' होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके। वहीं, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने भारत को 'इंटेलिजेंस युग' में ले जाने के लिए 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश का बड़ा एलान किया है। समिट को आज नरेंद्र मोदी और मुकेश अंबानी के अलावा गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन जैसे लीडर्स ने संबोधित किया। 16 फरवरी से शुरू समिट 20 फरवरी तक चलेगी। इसमें आज 110 से ज्यादा देश, 20 से ज्यादा देशों के प्रमुख और करीब 100 सीईओ और फाउंडर्स शामिल हुए हैं।



भारत का एआई मिशन: 6 महीने में 24,000 नए जीपीयू: भारत एआई के क्षेत्र में अपनी ताकत तेजी से बढ़ा रहा है। पीएम ने बताया कि देश में अभी 38,000 जीपीयू मौजूद हैं और अगले 6 महीनों में 24,000 और जीपीयू जोड़े जाएंगे।

डेटा के लिए ग्लोबल ट्रस्टेड प्रेमवर्क: एआई की ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले डेटा पर पीएम ने 'गार्बेज इन, गार्बेज आउट' का सिद्धांत समझाया। उन्होंने कहा कि अगर डेटा सुरक्षित और भरोसेमंद नहीं

'ब्लैक बॉक्स' नहीं, 'ग्लास बॉक्स' अप्रोच की मांग

एआई प्लेटफॉर्म को 'ब्लैक बॉक्स' (जहां अंदर क्या चल रहा है किसी को पता न हो) के बजाय 'ग्लास बॉक्स' की तरह होना चाहिए। इसका मतलब है कि एआई के सेप्टी रूल्स इतने साफ और पारदर्शी हों कि उन्हें कोई भी देख और वेरीफ़ई कर सके, जिससे कंपनियों की जवाबदेही तय हो सके।

बिना अनुमति देश छोड़कर नहीं जाऊंगा : अंबानी

■ 40 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड केस में सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, जांच में सहयोग भी करेंगे

नई दिल्ली। अनिल अंबानी ने 19 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल किया है। इसमें उन्होंने वचन दिया है कि वे अदालत की अनुमति के बिना भारत छोड़कर नहीं जाएंगे। यह हलफनामा उनके रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप की कंपनियों से जुड़ी 40,000 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी की जांच के बीच



आया है। अंबानी ने अदालत को यह भी भरोसा दिलाया है कि वे ईडी और सीबीआई द्वारा की जा रही जांच में पूरी तरह से सहयोग करेंगे। ये दोनों एजेंसियां अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ जांच कर रही हैं। वकील मुकुल रोहतगी की तरफसे किए मौखिक वादे की पुष्टि

क्या है 40,000 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला?

यह पूरी कानूनी कार्यवाही पूर्व ब्यूरोक्रेट ईएसएस सरमा की तरफसे दायर एक याचिका के जवाब में हो रही है। याचिका में आरोप है कि 2.52 ट्रिलियन रुपए की कंपनियों ने अलग-अलग बैंकों के साथ मिलकर 40,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का लोन फ्रॉड किया है।

मोडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनिल अंबानी ने अपने हलफनामे में आधिकारिक तौर पर उस अंडरटेकिंग (वचन) को अपना

आज गृहमंत्री शाम करेंगे वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2 की शुरुआत

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को असम में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2 लॉन्च करेंगे। यह प्रोग्राम सीमांत गांवों को मजबूत बनाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के प्रयासों में एक अहम पड़ाव होगा। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 एक केन्द्रीय योजना है, जिसका व्यय वित्त वर्ष 2028-29 तक 6,839 करोड़ है। वीवीपी-2 को 15 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में लागू किया जाएगा। गृह मंत्रालय ने

फ्रीबीज पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- देश का आर्थिक विकास रुकेगा, कहां से आएगा विकास के लिए पैसा?

नई दिल्ली/ए।। मुफ्त सुविधाओं के वादों (फ्रीबीज) पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि सरकारों को सिर्फ मुफ्त चीजें बांटने के बजाय रोजगार पैदा करने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। इस तरह से फ्रीबीज बांटने पर देश का आर्थिक विकास रुकेगा। फ्रीबीज के मामले में सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने सुनवाई की। सीजेआई ने बढ़ते रेवेन्यू घाटे



के बावजूद राज्यों की ओर से मुफ्त योजनाएं चलाए जाने पर सवाल उठाया। सीजेआई ने कहा कि कई राज्य पहले से ही घाटे में हैं, फिर भी वे नई-नई कल्याण योजनाएं शुरू कर रहे हैं। कोर्ट ने

घाटे के बावजूद मुफ्त योजनाएं बांट रही सरकारें

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, कई राज्य सरकारें भारी कर्ज और घाटे के बावजूद मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। अगर सरकारें मुफ्त पैसे, बिजली या दूसरी सुविधाएं देती रहेंगी, तो आखिर इनका खर्च कौन उठाएगा? अगर सरकारें मुफ्त खाना, साइकिल और बिजली जैसी सुविधाएं देती रहेंगी,



अभियान फोर्स के टारगेट में देवजी, पापाराव, सोढ़ी समेत 100 बड़े नक्सली नक्सल मुक्ति डेडलाइन के अब 40 दिन शेष, फाइनल आपरेशन की तैयारी तेज

■ नई सूची में देशभर में अब केवल 6 जिले ही नक्सल प्रभावित, इनमें 4 जिले छत्तीसगढ़ के

रायपुर/जगदलपुर/नवप्रदेश।। केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई नई सूची में देशभर में अब केवल 6 जिले ही नक्सल प्रभावित हैं। इनमें चार जिले छत्तीसगढ़ के हैं। सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर के साथ गरियाबंद जिला भी इस सूची में शामिल है। वहीं बस्तर व कोण्डगांव को नक्सलमुक्त की श्रेणी में रखा गया है। इस लिस्ट में इसके अलावा झारखण्ड का वेस्ट सिंहभूम व ओडिशा का कथमाल



जिला शामिल है। बस्तर के इन पांच जिलों में तीन जिले सुकमा, बीजापुर व नारायणपुर में फोर्स विशेष अभियान चला रही है जहां वर्दीधारी नक्सलियों की तादात अधिक है। इन तीन जिले में हाई अलर्ट जारी कर सुरक्षा एजेंसियों

ने फाइनल आपरेशन की तैयारी तेज कर दी है मुठभेड़ों में लगातार टॉप मोस्ट नक्सलियों के मारे जाने के बाद वर्तमान में बचे हुए शीर्ष नक्सलियों समेत लगभग सौ नक्सलियों की पहचान कर उन्हें समर्पण करने

सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर में रणनीतिक आपरेशन

बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टिलगम ने बताया कि, मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त बस्तर के संकल्प की प्राप्ति करने सातों जिलों में समन्वित और बहुस्तरीय कार्ययोजना लागू की गई है जिसके अंतर्गत विशेष रूप से सुकमा, बीजापुर एवं नारायणपुर जिलों में लक्षित रणनीतिक अभियान संचालित किए जा रहे हैं। जनता के सहयोग, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और प्रशासन की दृढ़ प्रतिबद्धता के बल पर बस्तर शीघ्र ही पूर्ण शांति, सुरक्षा और सतत विकास का सशक्त उदाहरण बनकर उभरेगा।

पिछले डेढ़ वर्ष में फोर्स ने नक्सलियों की तोड़ी रीढ़

बस्तर में तैनात सुरक्षाबलों ने बीते डेढ़ वर्ष में नक्सलियों की कमर तोड़कर रख दी। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के कोर इलाकों में आपरेशन कर एक तरह से नक्सलियों को चुनौती देते हुए अभियान संचालित किया। फोर्स ने पिछले डेढ़ वर्ष में 4 सौ से अधिक हाईकोर नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया इन नक्सलियों में 23 करोड़ 68 लाख रुपए का ईनाम केवल छत्र में घोषित था।

अब शिकायतों में देरी नहीं चलेगी

रायपुर/नवप्रदेश।। छत्तीसगढ़ के विभागों में लगातार बढ़ती जनशिकायतों और उनके समयबद्ध निराकरण को लेकर राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। नगरीय प्रशासन विभाग ने प्रेश के सभी नगरीय निकायों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जन शिकायतों का 21 दिन के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए और की गई कार्रवाई को संबंधित पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज किया जाए। इस संबंध में नगरीय प्रशासन संचालनालय से सभी

21 दिन में निगटारा जरूरी, अफसरों को चेतावनी

■ ■ न्यूज गैलरी

संकल्प से समाधान अभियान में 62 हजार से अधिक आवेदनों का निराकरण



अभियान के माध्यम से जनसमस्याओं का किया जा रहा है त्वरित निराकरण

सीहोर/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देशानुसार जिले में संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा अभियान के माध्यम से जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। लंबित प्रकरणों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान के अंतर्गत 19 फरवरी 2026 तक विभिन्न विभागों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार अभियान के तहत कुल 67,301 आवेदन दर्ज हुए, जिनमें से 62,317 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है, जबकि 4,984 प्रकरण लंबित हैं। सबसे अधिक आवेदन सहकारिता विभाग में किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत प्राप्त हुए, जहां 23,263 में से 23,233 प्रकरणों का निराकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 9,094 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 8,873 का निराकरण किया जा चुका है। इसी प्रकार राजस्व विभाग में चालू खसरा खतोनी की प्रतिलिपि के 6,297 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 4,728 का निराकरण हुआ। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भवन निर्माण अनुमति के 6,110 आवेदनों में से 5,977 प्रकरणों का समाधान किया गया। अभियान के तहत नगरीय विकास विभाग में नो ड्यूज प्रमाण पत्र के 2,560 में से 2,552 आवेदन निराकृत किए गए। इसके अलावा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के 424 में से 288 तथा लाडली लक्ष्मी योजना के 311 में से 214 प्रकरणों का निराकरण किया गया। सामाजिक न्याय विभाग में विभिन्न पेंशन योजनाओं के अंतर्गत हजारों आवेदनों का समाधान किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आय, निवास एवं जाति प्रमाण पत्रों के अधिकांश प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया गया है। इस अभियान के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं।

ब्लॉकवार निराकरण की स्थिति
अभियान के तहत आष्टा (ग्रामीण) में 25,069 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 25,068 का निराकरण हो चुका है। भैरुदा में 7,644 आवेदनों में से 7,061 का निराकरण हुआ, जबकि 583 प्रकरण लंबित हैं। बुधनी (ग्रामीण) में 7,575 आवेदनों में से 5,403 का निराकरण किया गया, 2,172 लंबित हैं। सीहोर (ग्रामीण) में 7,039 में से 5,925 प्रकरणों का निराकरण हुआ। इछवर (ग्रामीण) में 6,199 में से 5,827 प्रकरणों का समाधान किया गया।

नगरीय निकायों में प्रगति
अभियान के तहत कोठारी, शाहगंज और जावर नगरीय क्षेत्रों में सभी प्राप्त आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण कर दिया गया है। अन्य नगरीय निकायों में भी अधिकांश प्रकरणों का समाधान किया जा चुका है। जिला प्रशासन द्वारा अभियान के माध्यम से जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। लंबित प्रकरणों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

आबकारी विभाग ने राणापुर में 1.67 लाख रुपये से अधिक की अवैध मदिरा जब्त की

झाबुआ/नवप्रदेश। जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु कलेक्टर झाबुआ नेहा मीना एवं उपायुक्त संभागीय उडनदस्ता इंदौर श्री संजय शर्मा द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में आबकारी विभाग द्वारा सतत कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी बसंती भुरिया के निर्देशन में 18 फरवरी 2026 को मुखबिर् की सूचना पर आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा आबकारी वृत्त झाबुआ ‘ब’ के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 12, जवाहर मार्ग राणापुर स्थित दीपेश पिता अशोक राठौड़ के रिहायशी मकान की विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान मौके से कुल 20 पेटी अवैध अंग्रेजी मदिरा, जिसमें गोवा व्हिस्की 07 पेटी, रॉयल स्टेज व्हिस्की 05 पेटी, लंदन प्राइड व्हिस्की 05 पेटी, बैंगपाइपर व्हिस्की 02 पेटी तथा माउंट 6000 बीयर 01 पेटी शामिल है, कुल 178.68 बल्क लीटर मदिरा विधिवत जब्त कर आबकारी अमले द्वारा कब्जे में ली गई। जप्त मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य 21,67,080/- है। उक्त प्रकरण में आरोपी दीपेश पिता अशोक राठौड़ के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित अधिनियम 2000) की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे मौके से गिरफ्तार किया गया। संपूर्ण कार्यवाही नवीन वैधानिक प्रावधानों के तहत वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी के साथ की गई तथा प्रकरण विवेचना में लिया गया है। यह कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री महदेव सोलंकी के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक विकास वर्मा द्वारा की गई। कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक श्री अकलेश सोलंकी सहित श्री मदन राठौड़, श्रीराम शर्मा, श्री सोहन नायक, श्री पवन गाडरिया, श्री विजय चौहान, श्री प्रकाश भाबोर, श्रीमती पुष्पा बारिया एवं वाहन चालक बहादुर व दीपक

जनगणना 2027 हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

अशोक नगर/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री साकेत मालवीय की उपस्थिति में मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री डी.एन सिंह,जनगणना कार्यालय भोपाल से पधारे जिला प्रभारी जनगणना श्री जमीन खान, प्रशिक्षक श्री रजनीश भागव, समस्त अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी (एनआईसी), समस्त तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी, नायब तहसीलदार एवं अतिरिक्त चार्ज अधिकारी जनगणना ग्रामीण समस्त सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर श्री मालवीय द्वारा बताया गया कि जनगणना 2027 में खास बात यह है कि जनगणना की पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी। जनगणना प्रक्रिया में नागरिक स्वयं स्व-गणना पोर्टल पर अपनी जानकारी भर सकते हैं। जनगणना के दौरान गणक के घर आने पर उन्हें यह जानकारी देनी होगी तब इस जानकारी को डिजिटल संकलित करेंगे। नागरिक 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्वयं जानकारी स्व-गणना पोर्टल



पर भर सकेंगे। उन्होंने बताया कि जनगणना अधिकारियों द्वारा मकान सूचीकरण के दौरान नागरिकों से 33 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी एकत्र की जाएगी। जनगणना अधिकारियों द्वारा मकान सूचीकरण के दौरान भवन नंबर, जनगणना मकान नंबर, मकान की दीवार, छत और फर्श में प्रयुक्त सामग्री, मकान का उपयोग और स्थिति की जानकारी ली जाएगी। इसके साथ ही परिवार, परिवार में रहने वाले सदस्यों की संख्या, परिवार के मुखिया का नाम, लिंग, सामाजिक वर्ग (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य) से संबंधित विवरण दर्ज किया जाएगा। जनगणना के दौरान पेयजल का मुख्य स्रोत, प्रकाश का स्रोत, शौचालय की

उपलब्धता और उसका प्रकार, गंदे पानी की निकासी, रसोईघर एवं उसमें प्रयुक्त ईंधन की जानकारी भी ली जाएगी। परिवार द्वारा उपयोग किए जाने वाले मुख्य खाद्यान्न, परिवार में रहने वाले विवाहित दंपतियों की संख्या, परिवार के मुखिया का व्यवसाय तथा मकान के स्वामित्व की स्थिति से जुड़ी जानकारी भी जनगणना में दर्ज की जाएगी। राजपत्र में स्पष्ट किया गया है कि जनगणना अधिनियम 1948 के तहत एकत्र की गई सभी व्यक्तिगत जानकारीयां पूरी तरह गोपनीय रहेंगी और किसी भी न्यायालय, जांच या अन्य प्रयोजन के लिए साक्ष्य के रूप में उपयोग नहीं की जा सकेंगी। जनगणना 2027 में यह समस्त जानकारी डिजिटल माध्यम से

मोबाइल एप और पोर्टल के जरिए एकत्र की जाएगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे जनगणना अधिकारियों को सही और पूर्ण जानकारी प्रदान करें, ताकि जनगणना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। स्वतंत्रता के बाद की आठवीं जनगणना आगामी जनगणना वर्ष 1872 से सोलहवीं एवं स्वतंत्रता के बाद की आठवीं जनगणना होगी जिससे संबंधित विभिन्न क्रियाकलापों का निष्पादन जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियम 1990 के प्रावधानों के तहत किया जाता है। इस दौरान प्राप्त व्यक्तिगत जानकारीयां पूर्णतः गोपनीय होती है और इसे किसी अन्य के साथ साझा नहीं किया जाता% साथ ही एकत्रित की गई व्यक्तिगत जानकारी को कहीं पर भी साक्ष्य के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता है। जनगणना 2027 के प्रणालक, पर्यवेक्षक या कोई अन्य व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार के ओटीपी या बैंक डिटेल्स की मांग नहीं की जाएगी। जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी जनगणना 2027 दो चरणों में संपादित की जाएगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकान की गणना की जाएगी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कलेक्टर: कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा

धार/नवप्रदेश। मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन अनुराग जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर/डूकमिश्नर कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई। बैठक में राज्य शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं तथा पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जिलेवार समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के अंतर्गत विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने, एकल नल-जल योजनाओं का क्रियान्वयन कर समारोहपूर्वक ग्राम पंचायतों को हस्तांतरण करने तथा संचालन हेतु पंचायतों को सक्षम बनाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही लखपति दीदी योजना के अंतर्गत बैंक ऋण



वितरण के लक्ष्यों की पूर्ति एवं वन अधिकार अधिनियम अंतर्गत निस्स्त दावों का पुनः परीक्षण अभियान स्वरूप में करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग (स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य) की समीक्षा करते हुए नवीन शैक्षणिक

सत्र में नामांकन वृद्धि एवं ड्रॉपआउट में कमी लाने हेतु ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। कक्षा 1 में प्रवेश की तैयारी, 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का आंगनवाड़ी अथवा प्री-प्राइमरी में प्रवेश सुनिश्चित करने तथा आंगनवाड़ी केंद्रों के समीप

कक्षा 1 संचालित शासकीय शालाओं में कोलोकेशन की कार्ययोजना की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार 8 मार्च 2026 तक सभी स्कूलों में क्रियाशील बालिका शौचालय सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। रोजगार, उद्योग एवं निवेश से संबंधित विभागों की समीक्षा में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत ऋण प्रकरणों की प्रगति, एक जिला एक उत्पाद योजना तथा जिला व्यापार सुधार कार्य योजना (छत्रच्छत्र) पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए गए। सुशासन की समीक्षा में मुख्य सचिव ने कृषक कल्याण वर्ष एवं संकल्प से समाधान अभियान को शासन की प्राथमिकता बताते हुए इनके प्रभावी

शौर्या दीदी द्वारा जिले के शौर्या दलों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया

दतिया/नवप्रदेश। किशोर न्याय समिति उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्देशानुसार जिले से शौर्या दीदी का नामांकन एनएफएसयू गांधीनगर गुजरात में 05 दिवसीय ट्रेनिंग हेतु किया गया था। जिसमें महिला बाल विकास विभाग एवं पुलिस विभाग से शौर्या दीदी द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। उक्त प्रशिक्षण प्राप्त शौर्या दीदी द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अरविन्द कुमार उपाध्याय के निर्देशन में जिले के शौर्या दल सदस्यों को पुरानी कचहरी दतिया स्थित पोषण क्लब में 01 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में विभाग की मास्टर ट्रेनर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्री विमला योगी,

भगोरिया पर्व के मद्देनजर पेटलावद एवं थांदला में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित

झाबुआ/नवप्रदेश। भगोरिया पर्व को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में विकास खंड पेटलावद एवं थांदला में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 7 दिवस में सर्वे कर शत-प्रतिशत एएनसी पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रत्येक भगोरिया मेले में स्वास्थ्य विभाग का एक स्टॉल अनिवार्य रूप से लगाने

हेतु कहा गया। पलायन गए अटीकाकृत बच्चों एवं माताओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार प्रत्येक केंद्र पर गर्भवती महिलाओं की सूची ड्यू डेट (एएनसी एवं डिलीवरी) सहित चप्पा करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, प्रथम त्रैमास में प्राथमिकता के आधार पर एएनसी पंजीयन, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का

चिन्हंकन एवं उपचार, 4 एएनसी जांच, नवजात बच्चों की गृह भेंट (HBNC), गर्भवती महिलाओं की ई-केवाईसी एवं डीबीटी की समीक्षा, एनसीडी स्क्रीनिंग एवं उपचार तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। महिला बाल विकास विभाग अंतर्गत लाडली लक्ष्मी योजना एवं मातृत्व वंदना योजना की भी समीक्षा की गई। चिन्हित रूग् ऋएवं रूग् बच्चों का संपर्क ऐप में रूग्

अंतर्गत शत-प्रतिशत दर्ज कर उनके उपचार एवं पोषण प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराने की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल, डीपीएम श्री आर.आर. खन्ना, सीबीएमओ पेटलावद डॉ. एम.एल. चोपड़ा, सीबीएमओ डॉ. पी.एस. डावर, सीडीपीओ थांदला श्री बालू सिंह सस्तेया, बीपीएम पेटलावद सुश्री

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा



झाबुआ/नवप्रदेश। मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की विस्तृत समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंस में राज्य शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं तथा पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जिलेवार समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना के अंतर्गत विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने, एकल नल-जल योजनाओं का क्रियान्वयन कर समारोहपूर्वक हस्तांतरण करने तथा संचालन हेतु ग्राम पंचायतों को सक्षम बनाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही लखपति दीदी योजना के तहत बैंक ऋण वितरण के लक्ष्यों की पूर्ति तथा वन अधिकार अधिनियम अंतर्गत निस्स्त दावों का पुनः परीक्षण अभियान स्वरूप में करने के निर्देश दिए गए।

शिक्षा (स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य) विभाग की समीक्षा करते हुए नवीन सत्र में नामांकन वृद्धि एवं ड्रॉपआउट में कमी हेतु ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। कक्षा 1 में प्रवेश की तैयारी, 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का आंगनवाड़ी अथवा प्री-प्राइमरी में प्रवेश सुनिश्चित करने तथा आंगनवाड़ी केंद्रों के निकटस्थ कक्षा 1 वाली शासकीय शालाओं में कोलोकेशन की कार्ययोजना की समीक्षा की गई। साथ ही प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार 8 मार्च 2026 तक सभी स्कूलों में क्रियाशील बालिका शौचालय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

रोजगार, उद्योग एवं निवेश (औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास) के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं में

सफलता की कहानी खेत से निकली रोशनी- ग्वालियर के तरुण बने सौर ऊर्जा उद्यमी

ग्वालियर/नवप्रदेश। अगर सोच सकारात्मक और इरादे मजबूत हों तो गांव की जमीन भी बड़े बदलाव की नींव बन सकती है। ग्वालियर जिले के ग्राम मऊछ निवासी युवा तरुण सिंह राजपूत ने इसी सोच के साथ अपने खेत को सौर ऊर्जा उत्पादन केंद्र में बदलकर ग्रामीण उद्यमिता की एक प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। सोलर प्लांट के जरिए खेत से निकली सफलता की रोशनी ने तरुण को उद्यमी बना दिया है। कंथूर साइंस में एमएएससी की डिग्री हासिल करने के बाद तरुण के सामने नौकरी के कई अवसर थे, लेकिन उन्होंने पारंपरिक रोजगार के बजाय स्वयं का उद्यम स्थापित करने का निर्णय लिया। इसी दौरान उन्हें अपने एक मित्र से प्रेरणा मिली, जो भोपाल में सोलर प्लांट के माध्यम से सफलतापूर्वक बिजली उत्पादन कर अच्छे आय अर्जित कर रहे हैं। इस अनुभव ने तरुण को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कुसुम सोलर योजना की जानकारी मिलने पर तरुण ने सोलर प्लांट के लिए आवेदन किया। आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर अपने खेत पर 2 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित कर लिया है। यह प्लांट स्थापित करने के लिए उन्हें कुसुम सोलर योजना के तहत स्टैटल बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से 6 करो? 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिली है। उनका सोलर संयंत्र बिजली उत्पादन के लिए तैयार है। तरुण कहते हैं सोलर प्लांट से हमें स्थायी एवं सम्मानजनक आय का स्रोत मिल गया है। उनका कहना है कि विषय विशेषज्ञों के अनुसर इस सोलर प्लांट से उत्पादित बिजली बेचकर उन्हें हर माह औसतन 1 लाख 80 हजार रुपये की आमदनी होगी। तरुण का यह नवाचार न केवल उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार बना है, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों और युवाओं के लिए भी नई दिशा दिखा रहा है। ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में गत 18 फरवरी को आयोजित हुए किसान सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जब तरुण सिंह राजपूत को 6 करोड़ 20 लाख रुपये की सहायता राशि का चेक सौंप कर सोलर प्लांट की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं, तो वे भावुक हो गए और कहने लगे सरकार के सहयोग से आज हम उद्यमी बन पाए हैं। अब हमारा प्रयास रहेगा कि अन्य किसान और युवा भी इस क्षेत्र में आगे आए और आत्मनिर्भर बनें। तरुण का कहना है सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ विकल्पों को

सुविचार

बचपन में गांव से शहर जाने में खुशी मिलती थी अब शहर से गांव जाने में खुशी मिलती है - अज्ञात

एआई समिट एक बड़ी उपलब्धि

देश की राजधानी नई दिल्ली में दुनिया के पहले एआई समिट का सफल आयोजनन भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस समिट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि एआई की कमांड हमें अपने हाथों में रखनी होगी और इसे सही दिशा देनी होगी। वास्तव में एआई एक नई टेक्नोलॉजी है जिसका मानव कल्याण के हित में सदुपयोग करके इसे विकास का नया मॉडल बनाया जा सकता है और कृषि क्षेत्र के अलावा कौशल विकास के क्षेत्र में भी विकास के नये आयाम स्थापित किये जा सकते हैं। इससे आम नागरिकों की रोजमर्ग की जरूरतों को भी और बेहतर ढंग से पूरा किया जा सकता है। भारतीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उम्मीद जाहिर है कि आगामी दो वर्षों में भारत के एआई क्षेत्र में दो सौ अरब डॉलर से भी अधिक का निवेश हो सकता है और इसके जरिए रोजगार के नए अवसर खुल सकते हैं। भारत अभी भी दुनिया के तीन सबसे बड़े एआई देशों में एक है और इसके सर्वोच्च स्थान पर पहुंचने की असीम संभावनाएं हैं। भारत दुनिया का सबसे युवा आबादी वाला देश है और हमारे युवाओं में कुछ नया करने की प्रतिभा तथा क्षमता है। बस उसे समुचित अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। भारत में आयोजित एआई समिट से आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स के क्षेत्र में युवाओं को नया अवसर मिलेगा और उनकी प्रतिभा का सही उपयोग हो पाएगा। इसी एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी में चीनी रोबो डॉंग को अपनी युनिवर्सिटी का इजाद बताते हुए भारत को जगहसाई का पात्र बना दिया जिसकी वजह से एआई समिट के उजले दामन पर दाग लग गया। गलगोटिया युनिवर्सिटी में हालांकि बाद में यह सफाई दी है कि उसने चायनिज रोबो डॉंग को अपनी यूनिवर्सिटी का इजाद नहीं बताया था लेकिन तब तक सफाई निकल चुका था और बाद में लकीर पिटने का कोई फायदा नहीं हुआ। सरकार ने भी गलगोटिया यूनिवर्सिटी को तत्काल प्रभाव से एआई समिट से खदेड़ दिया लेकिन उसने जो कृत्य किया है उसके लिए कायदे से तो उस यूनिवर्सिटी की मान्यता ही रद्द की जानी चाहिए। गौरतलब है कि देश में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की तरह ही और भी कई नीजि विश्वविद्यालय कुकुरमुत्तों की तरह उगते जा रहे हैं। जहां सिर्फ छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के सपने दिखाकर उन्हें दोनों हाथों से लुटा जाता है। यही नहीं बल्कि वे सरकार से भी मनमाना ग्रांट हासिल कर लेते हैं! ऐसी तमाम सन्दिग्ध यूनिवर्सिटियों के कामकाज की समीक्षा की जानी चाहिए ताकि भविष्य में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की तरह कोई अन्य यूनिवर्सिटीइस तरह का फर्जीबाडा करने का दुहसाहस न करे। यदि हम भारत को विश्व गुरु बनाना चाहते हैं तो यह निहायत जरूरी है कि बच्चों को उच्च शिक्षा देने वाले संस्थान उत्कृष्ट हों। आज तो स्थाित यह है कि जेएनयू और डीयू जैसे सरकारी शिक्षण संस्थान भी राजनीतिक का अखाड़ा बन गये हैं जब तक इनमें सुधार नहीं होगा तब तक उच्च शिक्षा की गुणवत्ता भी बेहतर नहीं हो पाएगी।

हेट स्पीच पर सुप्रीम कोर्ट की नसीहत

देश केबड़बोले नेताओं के विवादास्पद भाषणों को लेकर एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की है और हेट स्पीच को लेकर ऐसे नेताओं को नसीहत दी है गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई थी। जिसमें नेताओं और मीडिया के लिए गाइडलाइन बनाने की मांग की गई थी और कहा गया था कि कुछ नेताओं के विवादास्पद भाषण आपसी भाईचारे को तथा संवैधानिक मूल्यों को प्रभावित करते हैं। इन याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल ने अपनी बात रखी थी और उन्होंने दलील दी थी कि देश में महील जहरीला होता जा रहा है इस पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को सलाह दी है कि वे नई याचिका दाखिल करें। मौजूदा याचिका तो एक खास राजनीतिक दल के कुछ चुनिंदा नेताओं के खिलाफ ही लगती है इसलिए इसे खारिज किया जाता है। यदि याचिकाकर्ता निष्पक्ष याचिका दाखिल करेंगे तो उस पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई जरूर करेगा। गौरतलब है कि इसके पहले भी कई बार सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच को लेकर संबंधित लोगों को कड़ी फटकार लगाई थी लेकिन बयानवीर नेता बोलवचन करने से बाज नहीं आते और जब तब विवादास्पद बयानबाजी करते ही रहते हैं। खासतौर पर जब कहीं भी चुनाव होने वाले होते हैं तब ऐसे बयानवीर नेता विवादास्पद बयानबाजी शुरू कर देते हैं। इस पर सभी राजनीतिक पार्टियों में ऐसे बड़बोले नेताओं की कमी नहीं है। इनकी जुबान पर रोक लगना जरूरी है।



सद्गुरु बोधामृतम्

- किसी चीज के लिए प्राणों से, आत्मा से, पूर्ण हृदय से घटा करते हो तो सारी प्रकृति, सारी कायनात आपके साथ खड़ी होती है उसके प्राप्ति के लिए ।

सद्गुरु ऋतेधर

- आज का ये दिन कल बन जाएगा। कल को तुम पीछे मुड़ के देख प्यारे !! आगे बढ़ते चलकृ आगे बढ़ते चल।

आज का इतिहास

नई दिल्ली वार्ता। 1835: कलकत्ता मेडिकल कॉलेज आधिकारिक तौर पर खुला। 1846 : अंग्रेजों ने लाहौर पर कब्जा कर लिया। 1847 : रॉयल कलकत्ता टर्फ क्लब की स्थापना। 1848 : अमृत बाजार पत्रिका ने बांग्ला भाषा में अपना पहला साप्ताहिक पत्र प्रकाशित किया। 1935 : कैरोलाइन मिकेल्सन ने अंटार्कटिका पर कदम रखा। पृथ्वी के उस दुर्गम छोर पर पहुंचने वाली वह पहली महिला बनीं। 1947 : ब्रिटिश प्रधामंत्री क्लेमेंट एटली ने भारत को आजादी देने का ऐतिहासिक ऐलान किया। उनका कहना था कि ब्रिटेन 30 जून, 1948 से पहले भारत को मुक्त कर देगा। 1950 : देश के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बड़े भाई और राष्ट्रवादी नेता शरत चंद्र बोस का निधन। 1987 : मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश को भारतीय संघ का क्रमशः 23वां और 24वां राज्य घोषित किया गया। 2009 : संयुक्त राष्ट्र ने 20 फरवरी को विश्व सामाजिक न्याय दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की।

राशि फल



पं. देवव्रत शर्मा

गृध्र राशि:आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा।

आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है, जो आपके लिए काफ़ी लाभदायक रहेगी।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज अपने काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत सजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर

एक बार फिर से विचार करें।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने से उनकी काम करने की क्षमता बेहतर होगी, आज आपका काम समय से पहले पूरा हो सकता है।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सुधारहाल रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखने तो आपके संतुलित रहेया से फायदा मिलेगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बिताएंगे। आज शाम माता जी से आप भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करेंगे।**तुला राशि:** आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई सुविधायं लाया है। आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। आप दूसरों पर अपना प्रभाव बनाने में सफल होंगे, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने की जरूरत है।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन सुविधायें से भरा रहेगा। आज ऑफिस के सहकर्मी आपके



विजय मिश्रा

साहित्य- समाज और पत्रकारिता के महानायक चतुर्वेदी बाबूजी को छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष होने का, छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से दे साहित्य जगत का सर्वोच्च अलंकरण पं सुंदरलाल शर्मा सम्मान तथा भारत सरकार के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से अलंकृत होने का गौरव प्राप्त हुआ। इसके बावजूद उनके भीतर कभी भी अहम्- अहंकार को लेश मात्र जगह नहीं मिली।

वे बहुमुखी प्रतिभा की खान रहे हैं। पर्स से अर्श तक तक पहुंचने का एकमात्र जरिया सतत परिश्रम और अटूट संकल्प को उन्होंने अपने जीवन में बखूबी प्रदर्शित किया। ऐसी विभूतियों के लिए ही जन जन के मन में प्रस्फुटित होती है मजरूह सुल्तानपुरी जी की ए पंक्तियां -रहनें न रहें हम महका करोंगे, बाग-ए- वफा में "। अपने सुकर्मों के बूते वे छत्तीसगढ़ की धरा पर अजर -अमर बने रहेंगे।

प्रगति पथ पर अंकित उनके अमिट पदचिन्ह नवागत पीढ़ियों को अनवरत आगे बढ़ने के लिए मार्ग प्रशस्त करते रहेंगे। इतिहास साक्षी है कि ऐसे लोग ज्यादातर सामान्य परिवारों में,बेहद सामान्य परिस्थितियों में जन्म लेते हैं, किंतु अपनी प्रतिभा- परिश्रम के बलबूते आम से खास बन जाते हैं। बाबूजी आज अगर होते तो शतायु पूरी कर रहे होते, लेकिन उनकी लिखी हुई कविताएं, उनकी कही हुई बातें, उनका दिया हुआ आशीर्वाद छत्तीसगढ़ियों के लिए बहुमूल्य धरोहर है।

परम श्रेष्ठ्य बाबूजी जी से मेरी पहली मुलाकात दुर्ग जिला के निकट स्थित ग्राम बघेरा में दाऊ रामचंद्र देशमुख जी के निवास पर हुई थी।एक लोकंराग कर्मी होने के नाते कला ऋषि देशमुख जी की निकटता का सुख मुझे प्राप्त था। उनके द्वारा सृजित लोकनाटय कारी में सरपंच और सूत्रधार की भूमिका का निर्वहन मैं किया करता था।साथ ही उनके मार्गदर्शन में निर्मित लोक सांस्कृतिक मंच ‘अनुराग धारा’ में उद्घोषक बतौर सम्बद्ध



रवि कुमार माँझी

फरवरी 2026 में भारत और फ्राँस ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' तक पहुँचाकर यह स्पष्ट कर दिया कि बदलती अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में दोनों देश दीर्घकालिक सामरिक सहयोग के लिये तैयार हैं। यह उन्नयन केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि रक्षा, उन्नत प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक शासन में साझा दृष्टि का परिणाम है। 25 वर्षों से विकसित विश्वास अब 'हैराइजन 2047' के तहत संस्थागत रूप ले रहा है। सफ़ैल-मरीन लड़ाकू विमानों के अनुबंध को अंतिम रूप मिलना इस यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। इसके साथ ही भारत में हेलीकॉप्टर असेंबली लाइन की स्थापना यह संकेत देती है कि सहयोग अब खरीदार-विक्रेता संबंध से आगे बढ़कर सह-उत्पादन की दिशा में है। फ्राँस उन चुनिंदा देशों में है जो भारत के साथ संवेदनशील रक्षा प्रौद्योगिकी साझा करने को तैयार रहते हैं। इससे न केवल भारत की आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा, बल्कि दीर्घकालिक औद्योगिक क्षमता भी विकसित होगी।

परमाणु ऊर्जा और स्वच्छ विकास

जैतापुर परियोजना और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर सहयोग भारत की ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु प्रतिबद्धताओं दोनों के लिये महत्वपूर्ण है। यदि यह सहयोग समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ता है, तो भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में परमाणु ऊर्जा की भूमिका बड़ेगी और उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण को भी गति मिलेगी।

अंतरिक्ष और कृत्रिम बुद्धिमत्ता: भविष्य की साझेदारी

अंतरिक्ष अनुसंधान में संयुक्त उपग्रह मिशन और रणनीतिक संवाद दोनों देशों के वैज्ञानिक सहयोग को नई दिशा दे रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल विज्ञान और उन्नत सामग्री पर स्थापित नए संस्थागत ढाँचे इस बात का संकेत हैं कि



- हेमा पांडेय

इश्क़ में गर नशा नहीं होता, मजनूँ भी बावरा नहीं होता। अब पहाड़ों में बसना होगा मुझे, तेरी धरती में क्या नहीं होता। मेरी बातों से था गुरेज तो मैं, तुमसे कुछ भी कहा नहीं होता। शहरी जो धन कमाने में खुश हैं उन्हें, गांव से वास्ता नहीं होता। मेरा मंझधार ही खुदा यारो, साहिलों पे खुदा नहीं होता। पद का इतना घमंड अच्छ नहीं, कोई छोटा बड़ा नहीं होता। खोजी उस ओर चलते हैं दानी, जिस तरफ़रास्ता नहीं होता। - डॉ संजय दानी

- सुशील भोले



संस्मरण- 20 फरवरी जन्म दिवस विशेष

चतुर्वेदी जी की जिंदगी की मजेदार बातें

- पांचवी से लेकर एम ए तक की पढ़ाई उन्होंने प्राइवेट परीक्षाथी के रूप में पूरी की।

- 50 वर्ष की उम्र में जब वे एय ए की परीक्षा दे रहे थे, तो रवि शंकर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल खुद की रचना पर परीक्षा में पूछे गए सवाल का उत्तर लिखे थे।

- 1955 में उनकी गिनती बड़े-बड़े पत्रकारों में होती थी, जबकि वे केवल पांचवी पास थे।कर्मवीर, नवभारत टाइम्स, जनसत्ता,हिंदुस्तान समाचार एजेंसी के सवाददाता रहे।

- 1967 में अपनी जन्म भूमि ग्राम कोटमी सोनार के वे निर्विरोध सरपंच बने तब मध्य प्रदेश सरकार की ओर से आदर्श गांव का पुरस्कार कोटमी सोनार को मिला था। अंत में उनकी जीवन शैली को नमन करते हुए मेरी कलम कहती है- नमक चाटने से हड्डियां जल जाती हैं, तलवे चाटने से जमीर। तलवे चाटते नहीं, तलवे घिसते हैं।कलम घिसते हैं।वे ही बनते हैं कबीर।

भारत– फ्रांस संबंधों का नया अध्याय

साझेदारी अब भविष्य की अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में केंद्रित है। भारतीय स्टार्टअप का फ्राँसीसी नवाचार पारिस्थितिकी से जुड़ना ज्ञान-आधारित सहयोग को व्यावहारिक रूप देता है।



स्वास्थ्य, शिक्षा और जन-स्तरीय संबंध
स्वास्थ्य क्षेत्र में AI आधारित अनुसंधान, चिकित्सा संस्थानों के बीच सहयोग और छात्रों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य यह दर्शाता है कि संबंध केवल सामरिक स्तर तक सीमित नहीं हैं। लोगों के बीच संपर्क किसी भी साझेदारी की स्थायित्व का आधार होता है और इस दिशा में दोनों देश स्पष्ट रूप से निवेश कर रहे हैं।

हिंद-प्रशांत में सामरिक सामंजस्य
हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति शृंखला और नियम-आधारित व्यवस्था को लेकर दोनों देशों के दृष्टिकोण में व्यापक समानता है। त्रिपक्षीय प्रारूपों के माध्यम से सहयोग इस क्षेत्र में संतुलन की राजनीति को नई दिशा दे सकता है। यह सहयोग केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक समुद्री शासन से भी जुड़ा हुआ है।

बहुपक्षीय मंचों पर समर्थन

रहा हूं। अतः उनके यहां मैं प्रायः आता जाता था।एक दिन (1983-84) पं श्यामलाल जी बघेरा आए हुए थे। तभी दाऊ जी ने मेरा परिचय उनसे यह कहते हुए करवाया- ए विजय है । कारी नाटक के संरचक हैं। उस दिन की पहली ही मुलाकात में वे मुझे भा गए थे। मैं उन्हें भा गया गया था। चरण वंदन करने पर बाबूजी ने कहा- विजय बाबू ,विजयी भव। उस पल मेरे चेहरे की उदासी की लकीर को वे पढ़ लिए थे। तब उन्होंने कहा- युवा रंगकर्मी के चेहरे पर उदासी का रंग अच्छ नहीं लगता। तब दाऊ जी ने उन्हें बताया कि वर्तमान में बेरोजगारी का दंश विजय झेल रहा है। इसलिए वह चिंतित दिखाई देता है।

इस पर बाबूजी श्यामलाल चतुर्वेदी जी ने मेरे कंधे पर हाथ रखते हुए कहा - विजय बाबू,मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।मन ल पीठ करके जीबे त दुनिया ल आज नहीं त कालि जीते लेबे। मोन आत्मा ले अवाज आवत हे कि तोर काम अउ नाम के डंका खच्चित बाजही। इतना कहने के बाद वे खिलखिला कर हंस पड़े।उनके साथ मैं भी हंस पड़ा था। बदलते हुए वक्त के साथ ही उनकी कही हुई बातें मेरी जिंदगी में खरी उतरती चली गई। उनकी प्रेरणास्पद बातें +जो चाहते हो अपने हाथों से लिख लो + को जेहन में रखे हुए बिना टूटे, बिना झुकें मैं कुछ कर गुजरने की चाहत में आगे बढ़ता चला गया। पहले मुझे शिक्षक के पद पर और फिर आगे मध्य प्रदेश विद्युत मंडल जबलपुर में जनसंपर्क अधिकारी के शीर्ष पद पर नियुक्ति मिली। उन दिनों को याद करते हुए मुझे लगता है कि लॉटरी सिर्फपैसा इनाम मिले तभी नहीं लगती बल्कि किसी अच्छे इंसान का सानिध्य मिल जाना, एक बेरोजगार को मनपसंद नौकरी का मिल जाना भी लॉटरी से कम नहीं ।

मुझे स्मरण है बिलासपुर के स्टैंडियम में लोकनाटय कारी का मंचन होना था। तब नाटक के ब्रोशर हेतु साहित्य सामग्रियां लेकर बाबूजी के घर तिलकनगर पहली बार गया था। उस वक्त मैंने देखा कि घर आए आगतुक की आवभगत सादगीपूर्ण,रहन सहन माहौल में कैसे आत्मीयता से की जाती है। घर में सुख- शांति सहित नवसृजन के गुड़ मंत्रों की सीख भी मुझे मिली थी।बाबूजी की एक बड़ी खासियत से मैं बेहद प्रभावित रहा वे दिल- दिमाग और जुबान पर एक ही बात, एक ही विचार रखते थे। चापलूसी ,छल- कपट, भेदभाव से कोसों दूर बाबूजी की सादगी- सत्यता उन्हें हर जगह मान- सम्मान दिलाती रही है। हालांकि आज भी लगता है कि वे जितने काबिल थे उसकी तुलना में छत्तीसगढ़ ने उन्हें कम ही दिया है।

फ्राँस का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिये समर्थन और वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका को स्वीकार करना इस संबंध के राजनीतिक आयाम को दर्शाता है। यह यूरोप में भारत के लिये एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में फ्राँस की स्थिति को मजबूत करता है।

आर्थिक संबंध: संभावनाएँ और चुनौतियाँ
द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और मुक्त व्यापार समझौते से इसके और विस्तार की संभावना है। फिर भी बाज़ार पहुँच, मानकीकरण, वीज़ा प्रतिबंध और रक्षा परियोजनाओं में देरी जैसी समस्याएँ बनी हुई हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा संरक्षण के नियमों में अंतर भी सहयोग को प्रभावित कर सकता है।

रणनीतिक मतभेदों का प्रबंधन
रूस-ड्यूक्रेन संघर्ष जैसे मुद्दों पर दोनों देशों की प्राथमिकताएँ अलग रही हैं, परंतु संवाद की निरंतरता यह दर्शाती है कि मतभेदों के बावजूद सहयोग की दिशा कायम है। यही परितप्त रणनीतिक साझेदारी की पहचान होती है।

यदि दोनों देश संयुक्त अनुसंधान, सह-निर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और उच्च प्रौद्योगिकी में निवेश को तेज करते हैं तथा व्यापारिक बाधाओं को कम करते हैं, तो यह संबंध आने वाले दशकों में और गहरा होगा। शिक्षा, संस्कृति और कौशल-गतिशीलता के क्षेत्र में विस्तार इसे जन-आधारित समर्थन देगा।

निष्कर्ष

भारत-ड्यूफ्राँस की 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' रक्षा सौदों तक सीमित नहीं है; यह तकनीक, ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक शासन की बहुआयामी संरचना बन चुकी है। यह सहयोग भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को सुदृढ़ करता है और यूरोप में एक विश्वसनीय साझेदार प्रदान करता है। निरंतर संवाद, समयबद्ध क्रियाचयन और साझा निवेश इस संबंध को 21वीं सदी की निर्णायक सामरिक धुरी बना सकते हैं।

दौलत जहां की मुझको मेरे यार ना मिले ।
मुझको किसी के हाथ से उपहार ना मिले ।।
इतना मिले मुझे प्रभू खाऊँ खिला सकू,
साधू कोई भूखा मैंने घर द्वार ना मिले ।।

- कवि आशीष तिवारी जुगनू



उम्र सिर्फ शरीर पर असर करती है, सपनों पर नहीं। हर स्त्री के जीवन में एक ऐसा पड़ाव आता है जहाँ वो दूसरों के लिए नहीं, खुद के लिए जीना शुरू करती है। यह अंत नहीं यह उसका पुनर्जन्म है। अगर आप भी उस पड़ाव पर हैं- तो याद रखिए, सांझ भी एक नई सुबह की शुरुआत होती है।

- रेनु सिंघल

QUIZ TIME

1) असम के करीमगंज जिले का नया नाम क्या है जिसे हाल ही में राज्य मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी है?

2) किस संस्थान ने दर्द रहित इंगेयेशन के लिए सुई रहित शॉक सिरिज विकसित की है?

3) टेली-मैनस पहल किस क्षेत्र से संबंधित है?

4) कौन 6वीं शताब्दी के संस्कृत

काव्य किरातार्जुनीयम् के लेखक है?

5) हाल ही में दिवंगत के. एस. मणिलाल किस क्षेत्र से संबंधित थे?



पुष्पराज (५) शुभाक्ष (७)

रत्नाकर काश्याण (६) शृंगार प्रह्लाद (८) भाग्य सुश्रुति (१) -भागीरथ

पहेली

शब्द सामर्थ्य - 321														
(भागवत सादृ)														
यार्द से दारूँ 1. व्यर्थ, अकारण, बेवहान लात खाने की आदत हो गई हो (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. 19. सेवक, दास, चाकर 21. भयमन 12. एक पक्षी जो पुरने कास में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, किस्सा 9. चिह्नचिह्ना, बर्दीमजाज ऊपर से नीचे														
11. प्रलय, आकर, हलचल 12. 1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, सुगन्ध 3. आदमी, मनुष्य, मानव 4. अक्षय, अक्षयिणी 14. 5. अंधकार, अंधेरा 6. कष्ट, निर्मूल 19. नाव, कस्ती 20. वर्षा, वायु, पवन 16. निवास करना, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का करार, एक इयाती वृक्ष।														
शब्द सामर्थ्य क्रमांक 320 का हल														
4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
पं	कि	स्वा	द	स	च	व	जा	सु	हा	ना	सी	दा		
व	हु	धा	द	ल	ना	ल								
10														
11														
16	17													
21														
सं	वि	दा	च	स	च	ल	ना							

हम बना रहे भारत का पहला बड़े पैमाने का एआई डेटा सेंटर :टाटा चेयरमैन चंद्रशेखरन

नई दिल्ली। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एन चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा रूप सिलिकॉन से लेकर एआई डेटा सेंटर और एप्लिकेशन तक हर स्तर पर एआई अपना रहा है और भारत का पहला बड़े पैमाने का एआई-ऑप्टिमाइज्ड डेटा सेंटर बना रहा है। उन्होंने बताया कि 100 मेगावाट क्षमता के लिए ओपनएआई के साथ साझेदारी की गई है, जिसे 1 गीगावाट तक बढ़ाने की योजना है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा रूप सिलिकॉन और सिस्टम से लेकर एआई-रेडी डेटा सेंटर, एप्लिकेशन और एआई एजेंट तक हर स्तर पर आर्टिफिशियल

टाटा ग्रुप की बड़ी घोषणा



चंद्रशेखरन ने घोषणा की कि टाटा रूप भारत का पहला बड़े पैमाने पर एआई-ऑप्टिमाइज्ड डेटा सेंटर विकसित कर रहा है, जिसे अगली पीढ़ी की एआई ट्रेनिंग और इंप्रेंस की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शुरुआती 100 मेगावाट क्षमता के निर्माण के लिए ओपनएआई के साथ साझेदारी की गई है, जिसे भविष्य में बढ़ाकर एक गीगावाट तक विस्तार करने की योजना है।

इंटेलिजेंस को तेजी से अपना रहा है। उन्होंने इसे एक रोमांचक और परिवर्तनकारी यात्रा बताते हुए

कहा कि इस विजन को साकार करने के लिए भारत और दुनिया भर के प्रमुख वैश्विक साझेदारों

एआई का वैश्विक एंटरप्राइज पर गहरा प्रभाव पड़ेगा

उन्होंने कहा कि एआई का पब्लिक सर्विस डिलीवरी और वैश्विक एंटरप्राइज पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। आईटी इंडस्ट्री के संदर्भ में उन्होंने इसे टेक सेक्टर के लिए सबसे बड़ा अवसर बताते हुए कहा कि आईटी की असली ताकत हर एंटरप्राइज के बिजनेस, टेक्नोलॉजी लैंडस्केप और पूरे इकोसिस्टम की समझ में होती है, और एआई इस भूमिका को और मजबूत करेगा।

के साथ सहयोग जरूरी होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश का लक्ष्य एआई को हर नागरिक तक पहुंचाने का होना चाहिए। उन्होंने भारत मंडपम में आयोजित एक कार्यक्रम का उदाहरण देते हुए बताया कि बिना किसी तकनीकी पृष्ठभूमि वाली 1,500 ग्रामीण महिलाओं ने कुछ ही घंटों में

एआई टूल्स सीखकर प्रोडक्ट और मार्केटिंग सामग्री तैयार कर ली। चंद्रशेखरन ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के तहत भारत ने एआई को एक रणनीतिक राष्ट्रीय क्षमता के रूप में आगे बढ़ाया है, जिसमें चिप, सिस्टम, ऊर्जा और एप्लिकेशन को साथ लेकर काम किया जा रहा है।

एआई इंटेलिजेंस का इंफ्रास्ट्रक्चर

टाटा चेयरमैन ने एआई को एक बुनियादी तकनीक बताते हुए कहा कि यह सभी उद्योगों में काम करती है, डेटा से सीखती है और तेजी से स्केल हो सकती है। उनके मुताबिक एआई इंटेलिजेंस का इंफ्रास्ट्रक्चर है, जिसका प्रभाव उतना ही गहरा होगा जितना कभी स्टीम इंजन, बिजली और इंटरनेट का रहा है।

सेमीकॉन इंडिया, इंडिया एआई मिशन और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े सुधारों को उन्होंने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

न्यूज गैलरी

ईडी के साथ सीआईएसएफ का सुरक्षा दस्ता अटैच

शिमला/ए। राजधानी शिमला में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मुख्यालय के साथ केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीआईएसएफका एक विशेष सुरक्षा दस्ता तैनात किया है। एक सहायक कमांडेंट की अगुवाई में सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के 40 जवानों ने बुधवार को शिमला में कार्यभार संभाल लिया। अब तक ईडी शिमला को कार्रवाई के लिए चंडीगढ़ से सीआईएसएफ के जवान मिलते थे। स्थायी तौर पर विशेष टुकड़ी मिलने से हिमाचल में हाई-प्रोफाइल छांमारी में तेजी आने की संभावना है। प्रवर्तन निदेशालय हिमाचल में 2,300 करोड़ के क्रिप्टो करेंसी स्कैम, 250 करोड़ के छात्रवृत्ति घोटाले और ऊना और कांगड़ा क्षेत्र में सक्रिय खनन माफिया से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों की जांच कर रहा है। इसके अलावा केसीसी बैंक ओटीएस मामले की जांच भी प्रगति पर है। ड्राग कंट्रोलर केस के अलावा करीब 2100 करोड़ के इंडियन टेक्नोमैक घोटाल की जांच भी प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। संपत्तियों को अटैच करने की कार्रवाई में अब सीआईएसएफ की टुकड़ी का प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों को सहयोग मिलेगा। सूत्रों के अनुसार, हिमाचल में ईडी की ओर से की जा रही कुछ मामलों में जांच अंतिम चरण में है और जल्द ही संपत्तियों को भौतिक रूप से कब्जे में लेने की प्रक्रिया शुरू होनी है।

नहर में गिरी कार, महिला समेत तीन की डूबने से मौत

औरैया/वार्ता। यूपी के औरैया जिले के अख्न्दा थाना इलाके के तुरुकपुर गांव के नजदीक निकली निचली गंग नहर में एक कार गिर गई। इस भीषण दुर्घटना में एक महिला और दो पुरुषों सहित कुल तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई। यह घटना रात के समय बुदेलखंड एक्सप्रेस वे के नीचे से निकली नहर में हुई, जब कार इटावा की तरफ जा रही थी। सुबह के समय ग्रामीणों ने नहर में एक कार पड़ी देखी। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पंकज मिश्रा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कड़ी मशक़त के बाद कार को नहर से बाहर निकलवाया। कार के अंदर से तीन लोगों के शव बरामद हुए। इस दुर्घटना की जानकारी मिलने पर सिंचाई विभाग ने एहतियातन नहर का पानी बंद करवा दिया है। मृतकों की पहचान राजीव कुमार गुप्ता (50), पत्नी मधू गुप्ता (48), शुभम गुप्ता (27) निवासीगण भरथना इटावा के रूप में हुई है।

पटना हाईकोर्ट से 42 एमएलए को नोटिस
पटना/वार्ता। बिहार विधानसभा के 42 विधायकों को पटना हाईकोर्ट ने नोटिस भेजा है। इनमें पक्ष और विपक्ष दोनों के विधायक शामिल हैं। आरोप है कि इन लोगों ने नामांकन के दौरान जो शपथ पत्र भरे थे, उनमें कई तथ्य छिपाए। इतना ही नहीं कुछ विधायकों पर वोटिंग प्रक्रिया में अनियमितता का भी आरोप लगाया गया है। कुछ माह पहले चुनाव हारने वालों प्रत्याशियों ने याचिका दायर की थी। आज कोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई। इसके बाद कोर्ट ने इन 42 विधायकों से लिखित जवाब देने को कहा है। चौकाने वाली बात यह है कि लिस्ट में विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार का भी नाम है। इनके अलावा मंत्री विजेंद्र यादव, पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा, जदयू विधायक चेतन आनंद, राजद विधायक अमरेंद्र प्रसाद समेत 42 विधायक शामिल हैं। कोर्ट की ओर से कहा गया है कि नामांकन के दौरान दाखिल किया गया शपथपत्र लोकतांत्रिक व्यवस्था का अहम हिस्सा है। वोटर्स को प्रत्याशियों की पृष्ठभूमि, संपत्ति और अन्य विवरणों की सही जानकारी मिलना चाहिए।

एपर्स्टीन मामले में किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू गिरफ्तार

लंदन(वार्ता)। ब्रिटेन पुलिस ने किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर को सार्वजनिक पद पर रहते हुए कदचार के संदेह में गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी उनके और यौन अपराधी जेफ्री एपर्स्टीन के बीच संबंधों की जांच के सिलसिले में की गयी है। बीबीसी टीवी ने गुरुवार को यह जानकारी दी है। इससे पहले विभिन्न समाचार पत्रों ने रिपोर्ट दी थी कि गुरुवार सुबह पूर्वी इंग्लैंड के सैंडिंघम एस्टेट स्थित 'वुड फर्म' पर पुलिस की छह कारें और साढ़े कपड़ों में लगभग आठ अधिकारी पहुंचे थे।

बकाया भुगतान विवाद पर स्पाइसजेट के लिए बांग्लादेश का एयरस्पेस बंद



ढाका/ए। बांग्लादेश ने कथित बकाया भुगतान न चुकाने के कारण बजट एयरलाइन स्पाइसजेट को अपने हवाई क्षेत्र के उपयोग से रोक दिया है। सूत्रों के मुताबिक, एयरस्पेस उपलब्ध न होने के चलते कोलकाता से गुवाहटी और इम्फल जाने वाली कुछ उड़ानों को अब लंबा रुट अपनाना पड़ रहा है। हालांकि, स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि एयरलाइन संबंधित

प्राधिकरणों के साथ नेविगेशन शुल्क समेत संचालन और प्रक्रियागत मुद्दों पर नियमित संवाद है। उन्होंने इसे उद्योग से जुड़े सामान्य मुद्दे बताते हुए कहा कि जल्द समाधान की दिशा में रचनात्मक तरीके से काम किया जा रहा है और निर्धारित उड़ान सेवाएं नियमों के अनुसार जारी हैं। सूत्रों का कहना है कि बकाया राशि के भुगतान न होने के कारण यह कदम उठाया गया है, हालांकि

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 100 बटुकों को किया सम्मानित, चोटी खींचने वालों को लगेगा पाप

लखनऊ/ए। राजधानी लखनऊ में बृहस्पतिवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अपने आवास पर 100 बटुकों का सम्मान किया। बटुकों पर पुष्पवर्षा की। तिलक लगातार उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि चोटी खींचने वालों को पाप लगेगा। शंकराचार्य विवाद के बीच ब्रजेश पाठक का यह सम्मान डैमेज कंट्रोल से जोड़कर देखा जा रहा है। बताते चले जेजिया राज के माघ मेले से शुरू हुआ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का विवाद अभी



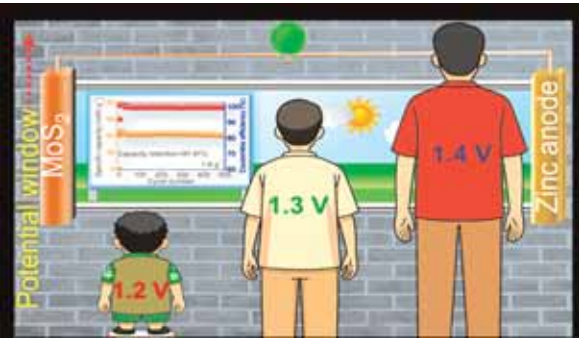
तक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ भी इस मामले में कई बार बोल चुके हैं। सीएम ने बिना नाम लिए संकेतों में कालनेमि तक की बात कह दी थी। बजट सत्र के दौरान उन्होंने एक और प्रमुख बात बोली, जिसको लेकर बहस छिड़ी हुई है। कहा कि कोई भी खुद को

शंकराचार्य नहीं लिख सकता। सीएम योगी के इस बयान को लेकर विपक्ष विशेषकर सपा सरकार को घेर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि दूसरों से सर्टिफिकेट मांगने वालों से यदि सर्टिफिकेट मांग लिया जाए तो वह कौन सा सर्टिफिकेट देंगे? शंकराचार्य को लेकर प्रदेश की राजनीति में गहमागहमी चल रही है। इसी बीच ब्रजेश पाठक ने बटुकों को सम्मानित किया। राजनीतिक पंडित इसे 'डैमेज कंट्रोल से जोड़कर देख रहे हैं'।

भारतीय वैज्ञानिकों ने रचा इतिहास, ग्रिड स्टोरेज के लिए जिंक-आयन बैटरी को मिली नई जान

■ सल्फर वैकेंसी वाला 1T-MoS2 कैथोड मटेरियल बना गेम-चेंजर

बेंगलुरु/ए। बेंगलुरु स्थित सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज के वैज्ञानिकों ने एक अभूतपूर्व सफलता हासिल की है, जिससे सस्टेनेबल और बड़े पैमाने पर एनर्जी स्टोरेज संभव हो सकेगा। उन्होंने सल्फर वैकेंसी इंड्यूस्ड 1T-फेज मोलिब्डेनम डाइसल्फाइड नामक एक नया कैथोड मटेरियल विकसित किया है, जो एक्रस जिंक-आयन बैटरी



की परफॉमेंस और स्थिरता को काफी बढ़ाता है। टीम ने इलेक्ट्रोकेमिकल पोटेन्शियल विंडो को ऑप्टिमाइज करने पर विशेष

फोकस किया और 0.2 से 1.3 वोल्ट (Zn²⁺/Zn के मुकाबले) को आदर्श ऑपरेशनल रेंज पाया।

उच्च साइक्लिक

सस्ते और पर्यावरण अनुकूल

यह बैटरी सोलर और विंड जैसी रिन्यूएबल एनर्जी को ग्रीड स्तर पर सुरक्षित, सस्ते और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से स्टोर करने के लिए आदर्श मानी जाती है। CeNS, जो डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (छरूज) के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है, के रिसर्चर्स श्री गणेश मद्दे, डॉ. सहलदेव सैय और डॉ. आशुतोष कुमार सिंह की टीम ने हाइड्रोजनल विधि से सावधानीपूर्वक सल्फर की कमी वाले 1ज-फेज स्मॉल नैनोप्लेक्स तैयार किए। इस मटेरियल में ज्यादा सर्फेस एरिया, बेहतर कंडक्टिविटी और तेज इलेक्ट्रोकेमिकल रिप्लेशन की क्षमता होती है, जिससे ज्यादा चार्ज स्टोरेज और बेहतर Zn²⁺ डिफ्यूजन संभव होता है।

स्टेबिलिटी: 1 Ag1 करंट डेंसिटी पर 500 चार्ज-डिस्चार्ज साइकिल के बाद 97.91% शुरुआती कैपैसिटी बरकरार रही।

कूलम्बिक एफिशिएंसी: 99.7%, जो न्यूनतम साइड रिएक्शन और बेहतर रीन रिवर्सिबिलिटी दर्शाती है।

26 को अनिल अंबानी से होगी पूछताछ

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस रूप के चेयरमैन अनिल अंबानी को नया समन जारी किया है। इस हफ्ते बयान देने के लिए नहीं आने की वजह से उन्हें 26 फरवरी को फिर पूछताछ के लिए बुलाया गया है। उनकी पत्नी टीना अंबानी ने भी दो बार सुनवाई टाली है। टीना अंबानी को 10 फरवरी और 17 फरवरी को ईडी के सामने पेश होना था। ईडी ने बताया कि दोनों को धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत अलग-अलग बयान दर्ज करने के लिए बुलाया है। अनिल अंबानी एक बार अगस्त 2025 में ईडी के सामने पेश हुए थे। माना जा रहा है कि टीना अंबानी को न्यूयॉर्क के मैनहटन में एक लज्जरी अपार्टमेंट खरीदने से जुड़े मनी ट्रेन के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज टीम ने इटली को 42 रन से हराया

नई दिल्ली/ए। टी20 विश्व कप 2026 के रूप सी के मुकाबले में वेस्टइंडीज ने इटली को 42 रन से हरा दिया है। इडेन गार्डेन, कोलकाता में खेले गए मुकाबले में 166 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी इटली 18 ओवर में 123 रन पर सिमट गई। 166 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी इटली के प्रदर्शन को देखते हुए क्रिकेट फेंस तगड़े संघर्ष की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन वेस्टइंडीज ने गेंदबाजों ने इटली के लिए लक्ष्य को मुश्किल बना दिया। इटली की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 12 के स्कोर पर पहला और 26 के स्कोर पर दूसरा विकेट गंवा दिया। मोस्का बंधुओं के आउट होने के बाद इटली कभी लक्ष्य के करीब जाती नहीं दिखी और निर्यामित



अंतर्गत पर विकेट खोती रही। पूरी टीम 18 ओवर में 123 पर सिमट गई और 42 रन से हार गई। जेजे स्मट्स ने 24 और बेंजामिन मानेटी ने 26 रन बनाए। एंटोनी पेरेस्का ने 19 रन बनाए। ग्रांट स्टिवर्ट ने 12 रन बनाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में नहीं जा सका। वेस्टइंडीज के लिए मैथ्यू फोर्ड ने 4 ओवर में 19 रन देकर 3, शमार जोसेफ ने 4 ओवर में 30 रन देकर 4, गुडकेश मोती ने 4 ओवर में 24 रन देकर 2 और अकिल हुसैन ने 3 ओवर में 25 रन देकर 1 विकेट लिए।

‘द केरल स्टोरी 2’ पर विवाद जारी

मुंबई/ए। रिलीज से पहले ही फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' पर विवाद होने लगा है। फिल्म 'द केरल स्टोरी' पर भी काफी विवाद हुआ था। ऐसे में जब इसके सीक्वल की घोषणा हुई, तो लोगों ने इस पर ऐतजार जताया है। फिल्म का ट्रेलर देखकर कई लोगों ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। प्रतिक्रिया देते वालों में केरल के मुख्यमंत्री पिनारayi विजयन भी शामिल हैं। वहीं विजयन के बयान पर सपा नेता अबू आजमी ने भी प्रतिक्रिया दी है। जानते हैं उन्होंने क्या कहा है? आज केरल के मुख्यमंत्री पिनारayi विजयन ने एक्स पर लोगों से इस फिल्म को रिवेन्ज करने की अपील करते हुए लिखा 'नफ़त फैलाने वाली



फिल्म 'द केरल स्टोरी' के सीक्वल की रिलीज की खबरों को गंभीरता से लेना चाहिए। पहले पार्ट के साम्प्रदायिक एजेंडा और खुलेआम झूठ को पहले ही देख चुका केरल एक बार फिर हमारे सेक्चुरल ताने-बाने को बदनाम करने की इस कोशिश को रिजेक्ट करेंगे। यह चौकाने वाला है कि कैसे सांप्रदायिक झगड़े को भड़काने के मकसद से बनाई गई मनगढ़ंत कहानियों को खुली छूट मिल जाती है। जबकि कला के क्रिटिकल एक्सप्रेशन पर रोक लगा दी जाती है। हमें अपनी सद्भाव की जमीन को आतंक का अड्डा दिखाने की इन कोशिशों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। सच की हमेशा जीत होगी।'



